



## मुख्यमंत्री का कार्यालय

(जनसंपर्क कोषांग)

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या—cm-417  
27/09/2022

### मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई स्वास्थ्य विभाग की बैठक

- 'मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष' के तहत मुख्यमंत्री ने माऊस क्लिक कर जेनेटिक मस्क्युलर डिस्ट्रॉफी की बीमारी से ग्रसित 75 बच्चों के खाते में डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर के माध्यम से राशि का अंतरण किया। इसके माध्यम से प्रति लाभार्थी को 6 लाख रुपये की एकमुश्त सहायता राशि प्रदान की गई।

#### मुख्यमंत्री के निर्देश—

- सभी अस्पतालों में साफ—सफाई की पूरी व्यवस्था रखें। इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए।
- अस्पतालों में साफ—सफाई की जिनकी भी जिम्मेवारी है, अगर वे अपना कार्य बेहतर ढंग से नहीं करते हैं तो उन पर कार्रवाई करें।
- सभी अस्पतालों के भवनों का मेंटेनेंस ठीक ढंग से कराएं।
- चिकित्सा कार्य से जुड़े हुए लोग बेहतर चिकित्सा के लिए कार्य करें और चिकित्सा सुविधाओं की पूरी व्यवस्था रखें।

पटना, 27 सितम्बर 2022 :- मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक हुई।

समीक्षा बैठक की शुरुआत में 'मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष' के तहत मुख्यमंत्री ने माऊस क्लिक कर जेनेटिक मस्क्युलर डिस्ट्रॉफी की बीमारी से ग्रसित 75 बच्चों के खाते में डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर के माध्यम से राशि का अंतरण किया। इसके माध्यम से प्रति लाभार्थी को 6 लाख रुपये की एकमुश्त सहायता राशि प्रदान की गई।

इसके पश्चात् समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभाग के अद्यतन कार्यों एवं उपलब्धियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने राज्य में कोविड 19 का स्टेटस अपडेट, डेंगू का स्टेटस अपडेट और शिशु मृत्यु दर में आई गिरावट की स्थिति की जानकारी दी। जिला अस्पतालों में जीविका दीदियों द्वारा की जा रही भोजन की व्यवस्था, अस्पतालों में मानव संसाधन, आधारभूत संरचना, मेडिकल कॉलेज अस्पतालों, जिला अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों की अद्यतन स्थिति तथा विभाग की आगे की कार्य योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

बैठक में अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 सितंबर 2022 को नेशनल हेल्थ अथॉरिटी के द्वारा आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत हेल्थ केयर प्रोफेशनल रजिस्ट्री एवं पब्लिक हेल्थ केयर फ़ैसिलिटी रजिस्ट्री वर्ग में बिहार को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई कार्य किए गए हैं। अस्पताल में इलाज की बेहतर व्यवस्था की गई है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों के लिए मुफ्त दवा का इंतजाम किया गया है। सभी का बेहतर तरीके से इलाज हो सके, लोग स्वस्थ रहें इसके लिए हमलोग पूरी तरह प्रयासरत् हैं। पी0एम0सी0एच0 को राष्ट्रीय स्तर पर सबसे ज्यादा बेड वाले अस्पताल के रूप में निर्मित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य के अनुरूप इसका निर्माण कार्य भी तेजी से कराएं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी अस्पतालों में साफ-सफाई की पूरी व्यवस्था रखें। इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए। सतरंगी चादरों को भी हमेशा साफ रखना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में साफ-सफाई की जिनकी भी जिम्मेवारी है, अगर वे अपने काम को बेहतर ढंग से नहीं करते हैं तो उन पर कार्रवाई करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिक से अधिक अस्पताल बनवाए जा रहे हैं ताकि इलाज कराने में किसी को किसी प्रकार की परेशानी न हो। सभी अस्पतालों के भवनों का मेंटेनेंस ठीक ढंग से हो, इसका ख्याल रखें। उन्होंने कहा कि चिकित्सा कार्य से जुड़े हुए लोग बेहतर चिकित्सा के लिए कार्य करें और चिकित्सा सुविधाओं की पूरी व्यवस्था रखें।

बैठक में उप मुख्यमंत्री सह स्वास्थ्य मंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, वित्त मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री आमिर सुबहानी, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ, स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री के0 सेंथिल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, बिहार राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक श्री संजय कुमार सिंह, बिहार राज्य चिकित्सा सेवाएं एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री दिनेश कुमार, अपर सचिव स्वास्थ्य विभाग, श्री कौशल किशोर, बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति के परियोजना निदेशक श्री अंशुल अग्रवाल सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

\*\*\*\*\*